

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 19 नवंबर

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वितरण के उपलक्ष्य में दो किसान गोष्ठियों का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) की 21वीं किस्त के वितरण के उपलक्ष्य में एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किसानों, नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। गोष्ठी का उद्देश्य नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों, किसान कल्याण कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय स्तर पर चल रही कृषि पहल को किसानों तक पहुँचाना था।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. आर. एन. पडारिया, संयुक्त निदेशक (विस्तार) ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और किसानों को सशक्त बनाने में आईएआरआई की भूमिका, वैज्ञानिक हस्तक्षेपों तथा प्रौद्योगिकी प्रसार के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री कमलेश पासवान, राज्य मंत्री (ग्रामीण विकास) ने अपने संबोधन में ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने, जमीनी संस्थाओं को मजबूत बनाने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने किसानों के पारंपरिक ज्ञान और एकीकृत कृषि प्रणाली (IFS) की महत्वता पर जोर दिया।

श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, राज्य मंत्री (युवा मामले एवं खेल), ने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और उन्हें *सक्षम* बनाना विकसित भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने एकीकृत एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई तथा आईएआरआई द्वारा किसानों को प्रयोगात्मक खेतों और नवाचारों से जोड़ने की सराहना की।

श्री हर्ष मल्होत्रा, राज्य मंत्री (कॉरपोरेट कार्य तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग), ने कृषि उन्नति में आईएआरआई के महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में छोटे और सीमांत किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलाई जा रही हैं, जिनसे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से समय पर आर्थिक सहायता सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत बनाने में बेहतर लॉजिस्टिक्स और अवसंरचना के महत्व पर भी जोर दिया।

संस्थान के कृषि विज्ञान केंद्र शिकोंहपुर, गुरुग्राम में आयोजित किसान गोष्ठी में श्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सांख्यिकी, योजना एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि

के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में विधायक पटौदी श्रीमती विमला चौधरी, विधायक गुरुग्राम श्री मुकेश शर्मा, तथा विधायक सोहना श्री तेजपाल तंवर भी उपस्थित रहे। गोष्ठी में कृषि से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई और 200 से अधिक किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान आईएआरआई के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती, उन्नत दाल किस्में, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, रबी फसलों में खरपतवार प्रबंधन, संरक्षित खेती तथा एकीकृत कृषि प्रणाली पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। कुल 254 पुरुष किसान एवं 10 महिला किसान कार्यक्रम में शामिल हुए। पूर्व विधायक श्री आर. पी. सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक एवं कर्मी भी उपस्थित रहे।

सभी प्रतिभागियों ने माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन तथा PM-KISAN की 21वीं किस्त के राष्ट्रीय स्तर पर वितरण का सीधा प्रसारण देखा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने किसानों को उनकी मेहनत और राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए बधाई दी, प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि बायोफर्टिलाइजर पर GST में कमी से किसानों को बड़ा लाभ पहुँचा है।

पीएम-किसान योजना के तहत अब तक 20 किस्तों में 3.9 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं। आज जारी की गई 21वीं किस्त में 18,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि देश के 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में भेजी गई—जो किसान कल्याण के प्रति सरकार की पारदर्शी और समयबद्ध प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम के अंत में किसानों को आईएआरआई के अनुसंधान खेतों का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्होंने उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों, बेहतर फसल किस्मों और विभिन्न चल रहे अनुसंधान कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

अंत में डॉ. पी. एस. ब्रह्मानंद, परियोजना निदेशक, जल प्रौद्योगिकी केंद्र (WTC), ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया और किसानों के हित में आई.ए.आर.आई द्वारा निरंतर वैज्ञानिक समर्थन और तकनीक उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई।



PRESS RELEASE

New Delhi, 19 November

IARI organized two farmers' workshops on the occasion of distribution of PM-KISAN

The ICAR–Indian Agricultural Research Institute (IARI), New Delhi, organised a *Kisan Gosthi* today to mark the disbursement of the 21st instalment of the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM-KISAN). The event brought together farmers, policymakers, scientists and senior officials to discuss advancements in agriculture and highlight ongoing national initiatives aimed at farmer welfare.

Dr. R. N. Padaria, Joint Director Extension, ICAR-IARI, New Delhi welcomed all dignitaries and participants, reaffirming IARI's commitment to empowering farmers through scientific research, technology dissemination and hands-on learning. He underscored the Institute's role in bridging the gap between research and field application.

Addressing the gathering, Shri Kamlesh Paswan, Minister of State for Rural Development, highlighted the Government of India's continuous efforts to improve rural livelihoods and strengthen grassroots institutions. He praised farmers' deep understanding of soil and crop behaviour and emphasised the transformative potential of Integrated Farming Systems (IFS) in enhancing farm income. He reiterated that a range of government schemes are being implemented to ensure the holistic development of farmers.

Speaking at the event, Smt. Raksha Nikhil Khadse, Minister of State for Youth Affairs and Sports, described farmers as the backbone of the nation and stressed the importance of making them *saksham* (empowered) for building a Viksit Bharat. She called for greater adoption of integrated and organic farming practices and commended IARI for providing farmers with opportunities to learn directly from research fields, demonstrations and innovative technologies.

Shri Harsh Malhotra, Minister of State for Corporate Affairs and Road Transport & Highways, appreciated IARI's pivotal role in India's agricultural advancement. He noted that under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, multiple farmer-centric initiatives have been launched, ensuring timely financial assistance to small and marginal farmers through the Direct Benefit Transfer (DBT) system. He further highlighted the importance of robust logistics and infrastructure in improving market access and strengthening agricultural value chains.

At the Krishi Vigyan Kendra (KVK) of the institute in Shikohpur, Gurugram, Union Minister of State (Independent Charge) for Statistics, Planning and Culture, Government of India, Shri Rao Inderjit Singh attended the farmers' workshop as the Chief Guest. Smt. Vimla Chaudhary, MLA (Pataudi), Shri Mukesh Sharma, MLA (Gurugram), and Shri Tejpal Tanwar, MLA (Sohna), were also present on the occasion. Various agriculture-related topics were discussed in detail during the workshop, and more than 200 farmers participated actively.

The programme featured a series of technical sessions conducted by IARI scientists on a wide range of topics, including natural farming, improved pulse varieties, quality seed production, weed management in rabi crops, protected cultivation of vegetables, and integrated farming systems. Farmers actively engaged with experts, raising queries and sharing field-level experiences. The *Kisan Gosthi* witnessed active participation from 254 male farmers and 10

female farmers, along with Ex-MLA Shri R P Singh, senior officials, scientists and staff of IARI.

A live broadcast of the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's address and the release of the 21st PM-KISAN instalment was shown to all participants. During his address, the Prime Minister praised the farmers of Tamil Nadu for their courage and dedication, encouraged the adoption of natural farming, highlighted the significance of Farmer Producer Organisations (FPOs), and congratulated farmers across the nation for their relentless hard work. He also noted that the reduction in GST on biofertilizers has significantly benefitted farmers, promoting affordability and wider adoption of sustainable agricultural inputs.

Since its inception, the PM-KISAN scheme has released ₹3.9 lakh crore to farmers across the country through 20 instalments, providing direct income support and ensuring financial stability for farm households. In the 21st instalment released today, the Government transferred over ₹18,000 crore to more than 9 crore farmers, reinforcing its commitment to timely and transparent assistance through the Direct Benefit Transfer (DBT) mechanism.

The programme concluded with a field visit, where farmers observed advanced agricultural technologies, improved crop varieties and key research initiatives currently underway at IARI. The exposure visit enabled farmers to gain first-hand insights into the latest innovations shaping India's agricultural future.

Delivering the vote of thanks, Dr. P. S. Brahmanand, Project Director, WTC, ICAR-IARI, New Delhi expressed gratitude to all dignitaries, scientists, and participating farmers. He acknowledged the collective efforts of various departments in successfully organising the programme and reaffirmed IARI's commitment to supporting farmers with advanced technologies and scientific guidance.





(Source: ICAR- Indian Agricultural Research Institute)